

कुंकुमफल पुं. (तत्.+तद्.) दुपहर में खिलने वाला फूल।

कुंकुमा पुं. (तद्.) लाख का बना पोला/गोला, जिसमें गुलाल भरकर मारते हैं।

कुंकुमाद्रि पुं. (तत्.) कश्मीर के एक पर्वत का नाम।

कुंचन पुं. (तत्.) 1. सिकुड़ने की क्रिया 2. आँख का एक रोग, जिसमें आँख की पलकें सिकुड़ जाती हैं।

कुंचिका स्त्री. (तत्.) 1. कुंजी, चाभी 2. घुँघची, गुंजा 3. बाँस की टहनी 4. एक प्रकार की मछली।

कुंचित वि. (तत्.) 1. घूमा हुआ, वक्र 2. घुँघराले (बाल)।

कुंची स्त्री. (तद्.) ताली, चाभी।

कुंज पुं. (तत्.) 1. वह स्थान जिसके चारों ओर घनी लता छाई हो उदा. सघन कुंज छाया सुखद सीतल मंद समीर। मन हवै जात अजौ वहै कालिंदी के तीर -बिहारी (कुंज की खोरी) प्रयो. कुंजगली 2. हाथी का दाँत 3. नीचे का जबड़ा 4. दाँत 5. गुफा।

कुंज कुटीर स्त्री. (तत्.) लतागृह, कुंजगृह।

कुंजगली स्त्री. (तद्.) 1. बगीचों में लता से छाया हुआ पथ 2. पतली तंग गली 3. भूल-भुलैया।

कुंजर पुं. (तद्.) 1. हाथी 2. एक नाग का नाम 3. बाल, केश 4. एक देश का नाम 5. रामायण के अनुसार एक पर्वत का नाम।

कुंजरारि वि. (तत्.) हाथी का शत्रु, सिंह।

कुंजरी स्त्री. (तत्.) हथिनी, धव (औषधि वाला एक जंगली पेड़) पलाश।

कुंजन पुं. (तद्.) काँजी।

कुंजविहारी पुं. (तत्.) 1. कुंजों में विहार करनेवाला पुरुष 2. श्रीकृष्ण।

कुंजिका स्त्री. (तत्.) 1. कृष्णजीरा, कालाजीरा 2. कुंजी 3. टीका, गद्य/पद्य की व्याख्या।

कुंजी स्त्री. (तद्.) चाभी, ताली मुहा. (किसी की) कुंजी हाथ में होना- किसी का वश में होना, किसी की चाल या गति का वश में होना 2. पुस्तक जिससे किसी दूसरी पुस्तक का अर्थ खुले, टीका।

कुंठ वि. (तत्.) सुस्त, ढीला, अनाड़ी, मूढ़, काहिल।

कुंठधी वि. (तत्.) मूर्ख, कुंदजेहन, जिसकी बुद्धि मंद हो।

कुंठमना वि. (तत्.) दे. कुंठधी।

कुंठा स्त्री. (तत्.) 1. खीझ, चिढ़ 2. निराशा 3. मन की गाँठ, मानसिक ग्रंथि। complex

कुंठाजात पुं. (तत्.) निराशा, खीझ टि. कुंठा से उत्पन्न (निराशा)।

कुंठित वि. (तत्.) 1. जिसकी धार चोखी या तीक्ष्ण न हो, कुंद, गुठला, भोथरा 2. मंद, बेकाम, निकम्मा 3. विकृत 4. मूर्ख, जड़ 5. बाधित 6. आलसी, सुस्त।

कुंड पुं. (तत्.) 1. चौड़े मुँह का गहरा कुंडा 2. एक प्राचीन काल का माप जिससे अनाज नापा जाता था 3. छोटा बँधा हुआ जलाशय, बहुत छोटा तालाब 4. पृथ्वी में खोदा हुआ गड्ढा अथवा मिट्टी या धातु का बना हुआ पात्र जिसमें अग्नि जलाकर हवन करते हैं 5. बटलोई, स्थाली 6. जलपात्र 7. शिव का एक नाम 8. गर्त, गड्ढा 9. लोहे का टोप 10. हौदा।

कुंडक पुं. (तत्.) 1. पात्र 2. मटका, कुंडा।

कुंडनी स्त्री. (तत्.) मिट्टी का बड़ा बरतन।

कुंडल पुं. (तत्.) 1. सोने, चाँदी आने का बना हुआ एक मंडलाकार आभूषण जिसे लोग कानों में पहनते हैं, बाली, मुरकी 2. सींग, लकड़ी काँच तथा सोने आदि धातुओं का बना पहिये के आकार का एक आभूषण जिसे गोरखनाथ के अनुयायी कानों में पहनते हैं 3. रस्सी आदि का गोल फंदा 4. लोहे का वह गोल मँडरा जो मोट या चरस के मुँह पर लगाया जाता है, मेखड़ा, मँडरी 5. वह मंडल जो कुहरे या बदली में चंद्रमा या सूर्य के किनारे दिखाई पड़ता है 6. छंद में वह मात्रिक गण जिसमें दो मात्राएँ हों पर एक ही अक्षर हो,